सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 285 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 26 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

जिन्दगी अपने आप ही दर्द लेकर आएगी। खुशियां पैदा करने की जिम्मेदारी आपकी है।
-मिल्टन एरिक्सन

बेहतर दुनिया का निर्माण हमारी... 7 | 24 में कन्नौज से चुनाव लड़... 3 | मैनपुरी को मॉडल लोकसभा... 2

लखनऊ में किसानों की महापंचायत शुरू, टिकैट बोले

जब तक सरकार नहीं मानेगी शर्तें, तब तक करेंगे आंदोलन

फोटो: सुमित कुमार

» ईको गार्डन में आयोजित महापंचायत में कई मुद्दों पर सरकार व भाजपा को घेरा

□□□ मो. शारिक

लखनऊ। राजधानी के ईको गार्डन में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों की महापंचायत शुरू हो गई है। कृषि कानूनों को लेकर दो साल पहले 26 नवंबर को ही दिल्ली में किसानों ने आंदोलन शुरू किया था। उसी की याद और विभिन्न मुद्दों को लेकर किसान लखनऊ में महापंचायत कर रहे हैं। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत लखनऊ पहुंच चुके हैं। महापंचायत में शामिल किसानों से वे बात कर रहे हैं। इससे पहले टिकैत ने मीडिया से कहा कि किसानों पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

उनकी जमीन कब्जाने की साजिशें हो रही हैं। सरकार कभी खेतों में कटीले तार लगाने पर प्रतिबंध लगाती है तो कभी ट्रैक्टर ट्राली को लेकर ऐसे आदेश जारी होते हैं। किसान इसका विरोध कर रहे हैं। टिकैत ने कहा जब तक सरकार हमारी शर्तें नहीं मानेगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आगे कहा कि किसान पराली नहीं जलाएगा, उसके खेतों से पराली खरीदी जाए। एमएसपी के हिसाब से किसानों की फसल का भुगतान खेतों पर ही किया जाए। महापंचायत में किसानों को सिंचाई के लिए फ्री बिजली, गरीबों को 300 यूनिट फ्री बिजली, गन्ना का बकाया भुगतान, आवारा पशुओं का बंदोबस्त, डीएपी खाद की समुचित उपलब्धता, सूखा और अतिवृष्टि का बकाया मुआवजा जैसी तमाम मुद्दों पर बातचीत जारी है। महापंचायत में भाकियू, किसान सभा, जय किसान आंदोलन, क्रांतिकारी किसान यूनियन, भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन आदि प्रमुख किसान संगठनों भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर किसान संगठनों ने राकेश टिकैत को माला पहनाकर स्वागत किया। इससे पहले 19 नवंबर को किसान संगठन विजय दिवस मना चुके हैं।

आरोप- महापंचायत में किसानों को आने नहीं दे रही भाजपा

राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि महापंचायत में किसानों को आने से भाजपा रोक रही है। पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस जिलों-जिलों में किसानों को रोक रही है। कहा जा रहा है कि ऊपर से किसानों को रोकने को कहा गया है ताकि वे लखनऊ न पहुंच सकें। टिकैत ने कहा कि खास तौर पर ललितपुर, रामपुर, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, फर्रुखाबाद में किसानों को रोका जा रहा है। यदि किसानों को रोका तो उन्हीं जिलों में किसान प्रदर्शन करेंगे।

अहम मुद्दों का नहीं हो रहा समाधान

टिकैत बोले कि जीएम सरसों को मंजूरी जैसे निर्णय भी किसान विरोधी हैं। गन्ने का बकाया भुगतान, बिजली आपूर्ति, एमएसपी पर गारंटी, कर्ज माफी, किसान पेंशन, आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों की वापसी जैसे तमाम मुद्दे हैं जो हल नहीं हो पा रहे हैं। पंचायत के बाद हम सभी किसान भाई राजभवन पर मार्च निकालेंगे।

गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी अब चुनावी चिंता नहीं : मायावती

» बसपा सुप्रीमो ने ट्वीट कर भाजपा पर साधा निशाना

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज ट्वीट कर कहा कि देश में महंगाई, बेरोगजारी और गरीबी अब चुनावी और राजनीतिक चिंता नहीं रहे लेकिन फिर भी सरकारों का इन मुद्दों के प्रति उदार बने रहना उचित नहीं है। सरकार को इन समस्याओं के समाधान के लिए जीजान से जुटना चाहिए।

उन्होंने ट्वीट कर कहा कि देश में व्याप्त गरीबी व पिछड़ेपन से लाचारी व महंगाई की मार तथा बेरोजगारी से त्रस्त मेहनतकश लोग हर दिन आटा, दाल-चावल व नमक-तेल आदि के महंगे दाम को लेकर सरकार को कोसते रहते हैं। किन्तु वह इसका जवाब देने व उपाय ढूंढने के बजाय ज्यादातर खामोश बनी रहती है, ऐसा क्यों? अब आटा का दाम भी लगभग 37 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाने से लोगों में बेचैनी, हताशा व निराशा है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में यहां वर्षों से व्याप्त विचलित करने वाली गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई आदि अब असली राजनीतिक एवं चुनावी चिंता नहीं रही है तब भी सभी सरकारों को इनके प्रति उदासीन बने रहकर देश की प्रगति व जनता की उन्नति में रोड़ा बने रहना दु:खद है।

संविधान को समझें युवा: पीएम मोदी

» संविधान के चलते ही आज देश की महिलाएं सशक्त

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इस मौके पर पीएम ने कहा कि संविधान के चलते ही आज देश के गरीब और महिलाएं सशक्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि युवाओं को देश के संविधान की जानकारी होना जरूरी है, जब वो इसे जानेंगे तो उन्हें कई सवालों के जवाब खुद मिलेंगे।

संविधान दिवस के अवसर पर लोकभवन लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, एके शर्मा ने छात्राओं को सम्मानित किया।

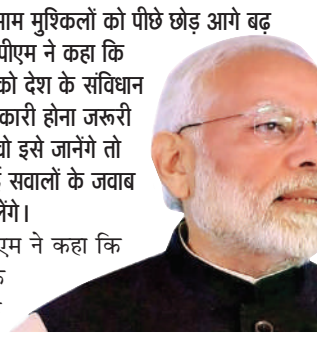

पीएम ने कहा कि आज के वैश्विक हालात में पूरे विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं। भारत के तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसकी मजबूत वैश्विक छवि के चलते दुनिया हमें बड़ी उम्मीदों के साथ देख रही है। पीएम ने कहा कि इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान ही है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सबसे पहले ई-कोर्ट परियोजना की शुरुआत की। इस परियोजना के तहत वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, डिजिटल कोर्ट और जस्टिस मोबाइल एप 2.0 शुरू की जाएगी। पीएम ने लांचिंग के बाद कहा कि 1949 में आज ही के दिन स्वतंत्र भारत ने अपने लिए एक नई भविष्य की नीव डाली थी।

26/11 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन मुंबई में 26/11 आतंकी हमला हुआ था। पीएम ने कहा कि 14 साल पहले जब भारत अपने संविधान और नागरिकों के अधिकारों का जश्न मना रहा था, तब मानवता के दुश्मनों ने भारत पर सबसे बड़ा आतंकी हमला किया था। हमले में जान गंवाने वालों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं।

मैनपुरी को मॉडल लोकसभा बनाएंगे : बृजेश पाठक

» रघुराज की जीत से मैनपुरी का होगा विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इटावा के जसवंतनगर में मैनपुरी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में प्रबुद्ध सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र को मॉडल लोकसभा क्षेत्र बनाने के लिए यहां से भाजपा प्रत्याशी को जीता कर लोकसभा में पहुंचाएं। मैनपुरी की जीत से मोदी और योगी के हाथ मजबूत होंगे और मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के लोगों का सम्मान भी बढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत माता की शान को बुलंदियों पर पहुंचाया है।

कोरोना काल में वसुधैव कुटुंबकम के नारे को साकार रूप दिया और तमाम गरीब देशों को कोरोना की खुराक उपलब्ध कराकर मानवता का काम भी किया है। जिससे दुनिया में देश का मान सम्मान बढ़ा है। आज भारत को दुनिया के देश सर्वाधिक सम्मान दे रहे हैं साथ ही दुनिया के सर्वशक्तिमान देशों की कतार में भारत शामिल होने जा रहा है। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र की जनता

से कहा कि मैं आपको इस मामले में आश्वस्त करता हूं कि यहां पर जिस तरह से गुंडागर्दी अराजकता और दबंगई का माहौल चलता रहा। वह अब पूरी तरह समाप्त होगा। प्रदेश में योगी राज चल रहा है। किसी गुंडे की खैर नहीं है। आप लोग निर्भीक होकर मतदान करें। रघुराज सिंह शाक्य की जीत से मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

उप चुनाव प्रचंड बहुमत से जीतेगी भाजपा

ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा मैनपुरी लोकसभा का उप चुनाव प्रचंड बहुमत से जीतेगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मैनपुरी के विकास का और लॉ एंड ऑर्डर के लिए है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो टीमें बनाकर 20 हजार से ज्यादा मुकदमे दर्ज कराए गए। गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से जनता लाभान्वित हुई है। मतदाता जाति धर्म व संप्रदाय से ऊपर उठकर भाजपा को वोट करेंगे। भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह ने कहा कि मैं आपका सेवक हूं और सेवक ही रहूंगा। मैं सांसद या विधायक बनने नहीं आया हूं बल्कि आपकी सेवा के लिए आया हूं। आपके आशीर्वाद की हमें जरूरत है और 5 दिसंबर को वोट के रूप में अपना आशीर्वाद हमें प्रदान करें।

गायत्री प्रजापति के आवासों का होगा मूल्यांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गैंगरेप के आरोप में जेल में बंद पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की मुशिकलें कम होने का नाम नही ले रही है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में लखनऊ विजिलेंस के निर्देश पर अमेठी डीएम ने एसडीएम की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम जांच टीम का गठन किया है।

अमेठी के आवास विकास कालोनी स्थित भवनों का मूल्यांकन कर चार सदस्यीय जांच टीम तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट डीएम को सौपेंगी। आपको बता दें कि गायत्री प्रसाद प्रजापति की पत्नी महारानी देवी अमेठी विधानसभा से विधायक है। सपा सरकार में पूर्व खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेठी के आवास विकास कालोनी स्थित पूर्व मंत्री द्वारा निर्माण कराए गए चार आवासीय भवनों का मूल्यांकन कराया जाएगा, जिसके संबंध में एसडीएम अमेठी की अध्यक्षता में 4 सदस्य जांच टीम का गठन किया गया जो 3 दिनों के भीतर जांच कर रिपोर्ट डीएम को सौपेंगी। अमेठी डीएम राकेश कुमार मिश्र ने संबंधित सदस्यों को आदेश जारी कर दिया है। अमेठी के परसावा गांव के रहने वाल्व पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का आवास आवास विकास कालोनी में है। कालोनी में ही इनका कार्यालय भी है। डीएम अमेठी के आदेश के अनुसार मूल्यांकन समिति अपने साथ संबंधित राजस्व कर्मी व अभिलेखों के साथ आवासीय भवनों का मूल्यांकन करेगी।

नीतीश कुमार इंजीनियर हैं, अमेजॉन की तर्ज पर करा रहे डिलीवरी : पीके

» बिहार को हर साल 20 हजार करोड़ रुपये का हो रहा नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि आज कल दुनिया में नई व्यवस्था हो गई है अमेजन और फ्लिपकार्ट, दुकान पर नहीं जाना पड़ता है। मोबाइल में देखकर बटन दबाइए और सामान आपके घर पर। नीतीश कुमार इंजीनियर हैं। उन्होंने सोचा कि वह अमेजन से भी बढ़िया होम डिलीवरी की व्यवस्था कराएंगा इसलिए शराब की दुकान बद करा दी और होम डिलीवरी शुरू हो गई।

100 रुपये की शराब घर-घर 400 रुपये में आ रही है। प्रशांत किशोर ने बिहार में एक जिले में पद यात्रा के दौरान

लोगों से कहा कि बिहार को हर साल 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। अगर 20 हजार करोड़ मिलता तो स्कूल और अस्पताल बनता, लेकिन पूरे राज्य में नीतीश कुमार की शराबबंदी ने शराब माफिया को खड़ा कर दिया है। अब ये हो रहा है कि सारे अधिकारी इसी में लगे हैं कि कैसे शराबबंदी में किसको पकड़ें कि कमाई हो। किसको पकड़ें और किसको छोड़ दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी का उदाहरण क्यों दे रहा हूं, मुझे उनसे मतलब नहीं है। उदाहरण इसलिए दे रहा हूं कि जैसा वोट दीजिएगा उसका परिणाम आपको और आपके बच्चों को भुगतना पड़ेगा। कहा कि लोग कह रहे हैं कि सब समझ आ रहा है लेकिन बिहार में विकल्प नहीं था, तो मैं बता रहा हूं कि मेरे विकल्प बनाने से नहीं होगा। मुझ पर भरोसा करने से नहीं होगा। बिहार में जनता नहीं जागेगी तब तक कुछ नहीं होगा।

आशीष मिश्रा एक बार फिर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

» जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी के तिकुनियां में तीन अक्टूबर 2021 को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के मामले में मुख्य आरोपित केंद्र सरकार में मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू ने सुप्रीम कोर्ट की एक बार फिर शरण ली है। आशीष मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद होने के बाद फिर से याचिका दायर की है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार में मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र की याचिका पर लखीमपुर खीरी के ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया है।

इस केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई अब 12 दिसंबर को होगी। लखीमपुर खीरी के तिकुनियां में तीन

अक्टूबर 2021 को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसानों के साथ ही तीन भाजपा कार्यकर्ता और एक पत्रकार की मौत हो गई थी। इस मामले में केन्द्र सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू को मुख्य आरोपी बनाया गया। मोनू के साथ उसके तीन साथियों को भी नवंबर 2021 में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को बीती फरवरी में जमानत मिली और वह जेल से रिहा गया है। इसके बाद इस केस में विपक्षीगण ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जमानत का विरोध किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राम मंदिर के इतिहास पर बनेगी फिल्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ।अयोध्या में राम मंदिर साल 2023 में बनकर तैयार हो जाएगा। राम मंदिर के 500 साल के इतिहास पर फिल्म बनाई जाएगी। श्री राम मंदिर निर्माण समिति का कहना है कि उन्होंने अमिताभ बच्चन से मंदिर के इतिहास पर बन रही फिल्म के लिए उनकी आवाज देने का अनुरोध किया है। अभिनेता की आवाज का इस्तेमाल फिल्म में सूत्रधार के तौर पर किया जाएगा। इस फिल्म में मंदिर बनाने के दौरान किए गए संघर्षों की कहानी दिखाई जाएगी।

बता दें कि दूरदर्शन पर इस फिल्म को दिखाने का एलान किया गया है। इसको लेकर राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिनों की बैठक में चर्चा भी हुई है। राम मंदिर के 500 साल के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मशहूर लेखक और फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून को दी गई है। राम मंदिर समिति ने इस फिल्म बनाने को लेकर अपनी मंजूरी भी दे दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म को लेकर अमिताभ बच्चन और प्रसून जोशी कोई फीस नहीं ले रहे हैं।

24 में कन्नौज से चुनाव लड़ सकते हैं अखिलेश

» लोकसभा का चुनाव लड़े तो छोड़ना पड़ सकता है विधायकी का पद

» एक निजी समारोह में अखिलेश ने यह बात कह मचा दी सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव 2024 में लोकसभा का चुनाव कन्नौज से लड़ सकते हैं। यह संकेत खुद अखिलेश ने एक निजी समारोह में दिया। कन्नौज पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वह खुद एक बार फिर कन्नौज से चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश के इस ऐलान के बाद सियासी गलियारों में चर्चा है कि अखिलेश अगर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे तो उन्हें विधायकी का पद छोड़ना पड़ सकता है।

दरअसल, मैनपुरी में चुनावी तैयारियों के बीच अखिलेश यादव सपा नेता सुनील गुप्त के बेटे यश चंद्र गुप्त के तिलक समारोह में पहुंचे थे। वहां उन्होंने डिंपल यादव को कन्नौज की बजाय मैनपुरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ाने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि 2024 में भी तो चुनाव है। घर में खाली बैठकर क्या करूंगा? चुनाव लड़ना ही हमारा काम है, जहां से पहला चुनाव लड़ा था। वहीं से फिर हम चुनाव लड़ेंगे। हालांकि ये पार्टी में तय होगा। फिर भी कन्नौज खाली है, तो यहीं से लड़ेंगे। अखिलेश यादव ने डिंपल को मैनपुरी से जितवाने की अपील भी की। उन्होंने यह भी कहा कि कन्नौज से हमारा भावनात्मक रिश्ता है। उस रिश्ते को अब अधिक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा किस कदर नफरत फैलाने वाली राजनीति कर रही है, उसे जनता अच्छे से जान चुकी है। अब जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है।

सदन में उठाएंगे कन्नौज के खनन का मामला

विधानसभा में नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने कन्नौज में चरमराई कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, तो इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया जाता है। अपराधी पकड़ने के बाद भी थाने से छोड़ दिए जाते हैं। इस तरह की विचित्र घटनाएं भाजपा की सरकार में होती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि कन्नौज में खनन हो रहा था तो इसके लिए यहां के जिलाधिकारी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। इस मामले को सदन में उठाने की हमारी पार्टी के प्रवक्ता ने कहा है तो जरूर यह मामला सदन में समाजवादी पार्टी उठाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में बेटियों से रेप हो रहे। उनके टुकडे कर के सूटकेस में पैक कर फेंके जा रहे हैं। अधिकारियों को कोई मतलब नहीं है। जिलों में बैठे अधिकारी निरंकुश हो चुके हैं। उन पर न तो शासन का दबाव है और न ही मंत्री व दूसरे पदाधिकारियों का दबाव रहता है। जिस कारण अधिकारी मनमानी करने पर उतारु रहते हैं।

पहले भी कन्नौज सीट से लड़ चुके हैं लोकसभा का चुनाव

वर्ष 2000 में कन्नौज लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने पहला चुनाव लड़ा था। वह सांसद निर्वाचित हुए। यह सीट उन्हें अपने पिता मुलायम सिंह यादव से विरासत में मिली थी। उस समय वह महज 26 वर्ष के थे। इसके बाद अखिलेश यादव ने कन्नौज से ही वर्ष 2004 और वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव लडा और जीत हासिल की। इसके बाद वर्ष 2012 में सपा को यूपी विधानसभा में पूर्ण बहुमत मिला तो पिता मुलायम सिंह यादव ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद कन्नौज लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया और अपनी पत्नी डिंपल यादव को कन्नौज लोकसभा सीट पर उप चुनाव लड़वाया। जिसमें उन्हें निर्विरोध सांसद चुना गया। 2014 में उनकी पत्नी डिंपल यादव दोबारा कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुनी गईं। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में डिंपल यादव को भाजपा के सुब्रत पाठक ने शिकस्त दे दी थी। कन्नौज में हारने के बाद अब डिंपल को मुलायम सिंह यादव के चुनावी क्षेत्र मैनपुरी से उप चुनाव लड़वाया जा रहा है। ऐसे में कयास ये लगाए जा रहे कि डिंपल मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव जीतेंगी तो कन्नौज लोकसभा सीट से सपा का प्रत्याशी कौन बनेगा।

भाजपा के लोग सपाइयों को डरा रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग सपाइयों को डरा धमका कर सपा के खिलाफ साजिश करने का दबाव बनाते हैं। यदि किसी ने मकान बनवाने में कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं की तो उसे अकेले में या अंधेरे में बैठा कर कागज दिखाएंगे और बताएंगे कि सपा के खिलाफ साजिश करो या फिर उनकी मदद कम करो, नहीं तो मकान गिरवा देंगे। इस तरह के भाजपा के गंदे खेल को जनता जान चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विकास कार्यों को लेकर कहा कि सपा सरकार में जो विकास कार्य कराए गए थे, उन्हीं को भाजपा पिछले 6 वर्षों में विधिवत चालू नहीं कर सकी। भाजपा बजट खर्च करने वाले कोई काम नहीं कराती। वह एक ऐसी पार्टी है जो फी वाले काम करती है। फ्री में नफरत फैलाती है और विकास की बात करने पर भाजपा वाले गोबर की बात करने लगते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि तालग्राम दंगे में भाजपा के विधायक शामिल थे। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि उस दंगे का पर्दाफाश हुआ और सभी आरोपियों को पकड़ कर जेल भेजा गया। कन्नौज के दंगे में भी भाजपा के लोग शामिल थे, क्योंकि दंगे की आड़ में भाजपा को राजनीतिक जमीन दिखाई देती है।

यूपी में 5 वर्ष में बढ़ गए 111 नगरीय निकाय और 1985 वार्ड

» पिछले चुनाव से 2599 मतदान केंद्र व 6678 मतदेय स्थल भी बढ़ गए

» मतदाताओं की संख्या भी पांच वर्ष में 91.57 लाख बढ़ गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले पांच वर्ष में 111 नगरीय निकायों के साथ ही कुल 1985 वार्ड भी बढ़ गए हैं। अब कुल 763 नगरीय निकायों में 13980 वार्डों के लिए चुनाव होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव के लिए 13,988 मतदान केंद्र व 42,947 मतदेय स्थल बनाए हैं। पिछले चुनाव से 2599 मतदान केंद्र व 6678 मतदेय स्थल इस बार बढ़ गए हैं।

मतदाताओं की संख्या भी पांच वर्ष में 91.57 लाख बढ़ गई है। इस बार 4,27,52,614 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। उसे प्रदेश सरकार से आरक्षण तय होने के बाद नगरीय निकायों की सूची का इंतजार है। इस बार 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद व 546 नगर पंचायतों के लिए चुनाव होने हैं। वर्ष 2017 के चुनाव में 16 नगर निगमों के चुनाव हुए थे। नगर निगमों में कुल 1,55,17,240 मतदाता थे जबकि इस बार शाहजहांपुर सहित 17 नगर निगमों का चुनाव होना है। नगर निगमों में वार्डों की संख्या भी 1300 से बढ़कर 1420 हो गई है। कुल 1,87,99,953 मतदाता हो गए हैं। सबसे अधिक मतदाता लखनऊ नगर निगम में 28,61,488 हैं जबकि सबसे कम मतदाता शाहजहांपुर नगर निगम में 3,18,748 हैं। अयोध्या नगर निगम में 319767 मतदाता हैं। अलीगढ़ व प्रयागराज नगर निगम में सबसे अधिक 20-20 वार्ड बढ़े हैं। अलीगढ़ में अब 70 के बजाय 90 वार्ड हो गए हैं। प्रयागराज नगर निगम में अब 80 के बजाय 100 वार्ड हो गए हैं। गोरखपुर व वाराणसी नगर निगम में 10-10 वार्ड बढ़े हैं। गोरखपुर में अब 70 के बजाय 80 व वाराणसी में 90 के स्थान पर 100 वार्ड हो गए हैं। 12 नगर निगमों के वार्डों में कोई बदलाव नहीं हुआ है जबकि नए नगर निगम शाहजहांपुर में 60 वार्डों के लिए चुनाव होंगे।

चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय

राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय कर दिए हैं। पंजीकृत दलों के लिए 14, प्रोविजनल पंजीकृत दलों के लिए 197 व निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए 81 चुनाव चिह्न जारी किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बार 763 नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद व 546 नगर पंचायतें शामिल हैं। वर्ष 2017 में 652 नगरीय निकायों में चुनाव हुए थे। पंजीकृत मान्यता प्राप्त दलों की सूची में इस बार 14 दल शामिल हैं। इनमें भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, आप, सीपीआई, सीपीएम आदि प्रमुख पार्टियां शामिल हैं।

नगर निगमों में कहां कितने मतदाता

निगम का नाम	वार्ड की संख्या	कुल मतदाता
सहारनपुर	70	623363
मुरादाबाद	70	664822
मेरठ	90	1258501
गाजियाबाद	100	1505502
बरेली	80	833023
अलीगढ़	90	859997
मथुरा	70	712348
आगरा	100	1449210
फिरोजाबाद	70	564730
कानपुर	110	2219278
झांसी	60	453850
प्रयागराज	100	1537308
लखनऊ	110	2861488
अयोध्या	60	319767
गोरखपुर	80	1028491
वाराणसी	100	1589527
शाहजहांपुर	60	318748

आरक्षण सूची का इंतजार कर रहे संभावित प्रत्याशी

नगरीय निकायों के आरक्षण में अभी एक सप्ताह का समय और लगेगा। नगर विकास विभाग ने राज्य निर्वाचन आयोग से आरक्षण के बाद निकायों की अंतिम सूची एक सप्ताह में सौंपने के लिए कहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात को बुलाकर नगरीय निकायों के आरक्षण की सूची में हो रहे विलंब का कारण पूछा। प्रमुख सचिव ने आयोग से एक सप्ताह का और समय मांगा है। प्रदेश में 763 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को सरकार से आरक्षण तय होने के बाद निकायों की सूची का इंतजार है। इसके बाद ही आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। ज्यादातर नगरीय निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले हफ्ते में व कुछ का कार्यकाल दूसरे हफ्ते में समाप्त हो रहा है। आयोग को इससे पहले चुनाव कराना है। चुनाव कराने के लिए आयोग को न्यूनतम 35-36 दिन का समय जरूरी होता है, किंतु अभी तक निकायों की सूची ही सरकार से नहीं मिली है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पराली का निदान खोजना होगा

पराली जलाने को लेकर कई राज्यों में जबर्दस्त तनाव व्याप्त है। हर राज्य एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे, परंतु समस्या वहीं की वहीं है और पराली जल रही है। ड्रोन एवं अन्य माध्यमों द्वारा निगरानी की जा रही है। आर्थिक दंड और कानूनी कार्रवाई की धमकी जारी है और कहीं-कहीं पर किसानों पर कार्रवाई भी की जा रही है, परंतु समस्या का निदान दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। असल में इस समस्या के मूल में कृषि मजदूरों की कमी या उनका महंगा होना है। इसी कारण से कंबाइन का प्रयोग बढ़ा। कंबाइन मजदूरों की तुलना में सस्ती पड़ती है और समय की भी बचत होती है, जिससे गेहूं की फसल जल्दी बोने में सहूलियत होती है। पर इससे पराली की समस्या का जन्म होता है, जिसने आज विकराल रूप धारण कर लिया है। जब तक इस समस्या का कोई सही विकल्प नहीं होगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। इसका कोई समाधान है या नहीं? इसका उत्तर है, सरकार एवं अन्य जिम्मेदार समूहों को सही ढंग से और सही दिशा में काम करना होगा। किसान स्वयं पर्यावरण के प्रति इतना जागरूक नहीं हो सकता, वह भी तब, जब उसे अगली फसल बोने की जल्दी हो। पंजाब और हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में पुआल या पराली से बिजली बनाने की छोटी-छोटी परियोजनाएं चल रही हैं। उन इलाकों में पराली जलाने की घटनाएं या तो हैं ही नहीं या बिल्कुल नगण्य हैं। जाहिर है कि हमें पराली की समस्या के निदान को सही परिप्रेक्ष्य में देखना होगा। यदि पराली को इकट्ठा कर उससे जैविक खाद या चारा बनाया जाए और किसानों को पराली का एक निर्धारित मूल्य दिया जाए, तो शायद सभी किसान तैयार हो जाएंगे। पर यह परियोजना इतनी महंगी है कि इसमें सरकार का सहयोग जरूरी है। अब सरकार यदि इस योजना को चलाने वाले व्यक्ति या एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को वित्तीय मदद नहीं देगी, तो कोई भी इस कार्य में रुचि नहीं लेगा। इसलिए जो भी इस योजना को चलाना चाहेगा, उसे हर सीजन में कम से कम पांच से छह लोगों को काम पर रखना पड़ेगा। ऐसी परियोजनाएं आर्थिक रुप से फायदेमंद नहीं है, इसलिए कोई व्यक्तिगत रूप से इसे चलाना नहीं चाहता। एक समाधान यह भी है कि किसानों को सीधे प्रोत्साहन या सहायता राशि दे दी जाए, पर इसमें दुरुपयोग की आशंका ज्यादा है। इसे गौशालाओं से भी जोड़कर उन्हें चारे की आपूर्ति की जा सकती है। पराली एक सामाजिक समस्या है। अत: सरकार को ही इसमें आगे आना होगा। किसानों या जनता के भरोसे इस समस्या का समाधान ढूंढना बेइमानी है। उत्तर प्रदेश सरकार को भी पराली के समाधान को लेकर ठोस तरीका खोजना होगा। नहीं तो यह समस्या बढ़ती जाएगी। और फिर किसानों का सरकार से मोहभंग हो जाएगा।

“ पराली एक सामाजिक समस्या है। अत: सरकार को ही इसमें आगे आना होगा। किसानों या जनता के भरोसे इस समस्या का समाधान ढूंढना बेइमानी है। उत्तर प्रदेश सरकार को भी पराली के समाधान को लेकर ठोस तरीका खोजना होगा। नहीं तो यह समस्या बढ़ती जाएगी। और फिर किसानों का सरकार से मोहभंग हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एकता की पहल है काशी तमिल संगमम

अवधेश कुमार

वाराणसी में आयोजित काशी तमिल संगम उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की दृष्टि से ऐतिहासिक माना जाएगा। उत्तर एवं दक्षिण, विशेषकर तमिलनाडु, को संपूर्ण भारतीय संस्कृति और सभ्यता के साथ एकता के सूत्र में जोड़ने का जो कार्य पहले होना चाहिए था, वह अब हो रहा है। मानव समाज के बीच भौगोलिक दूरियां चाहे जितनी हों, संस्कृति, सभ्यता और धर्म जुड़े हों, तो उनमें परस्पर एकता का भाव अटूट रहता है। काशी तमिल संगमम' को इसी उद्देश्य का आयोजन कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इसके राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जायेंगे और हैं भी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक जिस तरह इस आयोजन से तिलमिलायी है, उसका अर्थ स्पष्ट है। इस भावना के विस्तार के साथ द्रविड़ भावना से राजनीति की धारा कमजोर पड़ सकती है। तमिलनाडु का एक बड़ा वर्ग स्वयं को आम भारतीय से अलग यानी द्रविड़ संस्कृति का भाग मानता है।

अंग्रेजों ने आर्य-द्रविड़ खाई पैदा की और वह कमजोर होने की बजाय हमारे अपने देश के महान इतिहासकारों, संस्कृतिकर्मियों, बुद्धिजीवियों और नेताओं के द्वारा ज्यादा गहरी की गयी। ऐसा कोई प्रामाणिक ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथ्य नहीं, जिनके आधार पर मान लिया जाए कि आर्य और द्रविड़ संस्कृतियां अलग-अलग थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संगमम का उद्घाटन करते हुए ठीक ही कहा कि हमें आजादी के बाद हजारों वर्षों की परंपरा और इस विरासत को मजबूत करना था, एकता का सूत्र बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इसके लिए बहुत प्रयास नहीं हुए। उन्होंने धर्म, संस्कृति और सभ्यता से जुड़े एकता के उन सूत्रों का उल्लेख भी किया, जो आज भी साकार रूप में हैं। मसलन, तमिल विवाह परंपरा में काशी यात्रा की एक महत्वपूर्ण रस्म है। दूसरे, प्राचीन काल से अब तक तमिलनाडु की अनेक विभूतियों ने काशी में जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा बिताया है। तीसरे, काशी में बाबा विश्वनाथ और तमिल में रामेश्वरम है, यानी एक ही चेतना अलग-अलग रूपों में देखने को मिलती है। चौथे, मोक्षदायी नगरों में काशी के साथ कांची का भी वर्णन है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने याद दिलाया कि तमिलनाडु के तीनकाशी में काशी से शिवलिंग ले जाकर विश्वनाथ मंदिर की स्थापना की गयी थी। भगवान राम ने वहां रामेश्वरम शिवलिंग की स्थापना की। आर्य-द्रविड़ मतभेद की बातें इतनी बार गुंजित की गयीं कि वही सच दिखने लगा। परिणामस्वरूप तमिलों के एक बड़े वर्ग में अलगावाद का भाव पैदा हुआ। हिंदी के विरुद्ध सबसे उग्र और हिंसक आंदोलन तमिलनाडु में ही हुआ क्योंकि इसे आर्यों की भाषा बताया गया। संस्कृत के ग्रंथों का सम्मान और उन पर अध्ययन की परंपरा तमिलनाडु में है। पहले भी इस दूरी को पाटने की कोशिश हुई। चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हिंदी को संपूर्ण भारत की राष्ट्रभाषा बनाने का अभियान चलाया। किंतु वह आगे नहीं बढ़ पाया। काशी से इसे आगे बढ़ाने की पहल बिल्कुल स्वाभाविक है। वैदिक विद्वान राजेश्वर शास्त्री तमिलनाडु से थे, परंतु काशी में रहते थे। हनुमान घाट पर रहने वाले पट्टाभिराम शास्त्री भी वहीं के थे। तमिल मंदिर काशी कामकोटेश्वर पंचायतन मंदिर हरिश्चंद्र घाट के किनारे है और केदार घाट पर कुमारस्वामी मठ एवं मार्कंडेय आश्रम हैं। तमिल का राज्य गीत लिखने वाले मनोनमनियम सुंदरनर के गुरु का संबंध भी काशी से था। संगम में तमिलनाडु के 2500 प्रतिनिधि शामिल हुए। इनके लिए भ्रमण में आम धर्मस्थलों, कांची काम कोठी शंकराचार्य मठ व शंकराचार्य मंदिर के साथ तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती का आवास भी शामिल है। शंकराचार्य का मंदिर और पीठ का काशी में होना बताता है कि दोनों के बीच गहरी सांस्कृतिक, धार्मिक एकता रही है।

सुब्रह्मण्यम भारती जैसे प्रतिष्ठित कवि का निवास काशी में होना बताता है कि आर्य और द्रविड़ के बीच बनायी गयी दूरी भारत की एकता को तोड़ने का षड्यंत्र ही था। प्रधानमंत्री ने सुब्रह्मण्यम भारती के नाम पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पीठ स्थापना की भी घोषणा की। उन्होंने तिरुक्कुरल पुस्तक का विमोचन किया, जिसका 13 भाषाओं में अनुवाद हुआ है। संगमम में व्यवसायों

के भी संगम का कार्यक्रम है। इस तरह यह आर्य-द्रविड़ भेद तथा भारतीय संस्कृति से अलग तमिल संस्कृति के झूठ पर चोट करने के सुविचारित अभियान की शुरुआत है। जैसा प्रधानमंत्री ने कहा, तमिलनाडु के साथ दक्षिण के राज्यों में ऐसे आयोजन हों और उनमें देश के दूसरे हिस्सों से लोग जाएं, भारत को जियें और जानें। आखिर दक्षिण में पैदा शंकराचार्य ने देश के चार कोनों पर चार पीठ भारत के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एकता को सशक्त करने के लिए ही तो स्थापित किये थे। विदेशियों ने तो साजिश की थी, लेकिन जिन भारतीयों ने भारत विरोधी विचार को आगे बढ़ाया उन्हें क्या कहेंगे? अनेक बुद्धिजीवी और नेता यह भूल जाते हैं कि भारतीय राष्ट्र की अवधारणा भौगोलिक या राजनीतिक नहीं रही। संस्कृति ही इसका मूल तत्व रहा है। विविधता के मध्य एकता का तंतु स्थापित करने वाला विश्व का यह अनोखा राष्ट्र है।

असाधारण खिलाड़ी थे पेले और माराडोना

विवेक शुक्ला

फीफा वर्ल्ड कप शुरू होते ही फुटबॉल के जानकारों तथा प्रेमियों में बहस छिड़ चुकी है कि महानतम फुटबॉलर पेले थे या माराडोना। इस पर कभी कोई एक राय बनने की संभावना कम है। ब्राजील के पेले के चाहने वाले कहते हैं कि वे ही महानतम हैं क्योंकि वे तीन बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ब्राजील टीम के सदस्य रहे। उन्हें साल 2000 में फीफा फ्लेयर आफ द सेंचुरी का भी सम्मान मिला। माराडोना सिर्फ एक वर्ल्ड विजेता टीम में रहे। उन्हें 1986 वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव भी मिला था। पर क्या पेले को मुख्य रूप से इसी आधार पर सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी माना जाए क्योंकि वे तीन बार जीतने वाली टीम के सदस्य थे? वे 1958 में ब्राजील की टीम में थे। वे तब 17 साल के थे। वे 1962 और 1966 के वर्ल्ड कप में चोटिल होने के कारण खास जौहर नहीं दिखा सके थे, पर 1970 में अपने पीक पर थे। पर उस टीम के बारे में कहा जाता है कि वो वर्ल्ड कप में खेली महानतम टीम थी और पेले के बिना भी वर्ल्ड कप जीतने का दम रखती थी। उस टीम में गर्सन, टोस्टओ, रेविलिनिओ और जेरजिन्हो जैसे महान फारवर्ड खिलाड़ी शामिल थे।

माराडोना ने 1986 में विश्व कप अपने दम पर दिलवाया था। उनकी टीम औसत थी। उनके द्वारा क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध और सेमीफाइनल में किये लाजवाब गोल अब फुटबॉल इतिहास की थाती बन चुके हैं। माराडोना ने फाइनल में जर्मनी के खिलाफ भी मजे-मजे में गोल किया था। यह समझना चाहिए कि फुटबॉल का मतलब बड़ा शॉट खेलना नहीं है। बड़ा खिलाड़ी वही है, जो ड्रिबलिंग में माहिर है. उसे ही दर्शक देखने जाते हैं। इस लिहाज से पेले और माराडोना बेजोड़ रहे हैं। पेले के दोनों पैर चलते थे।उनका हेड शॉट भी बेहतरीन होता था। पेले के 1970 में इटली के खिलाफ फाइनल में हेडर से किये गोल को याद करें। उस फाइनल में एक गोल कार्लोस एलबर्टो ने पेले की ही पास पर किया था। मारोडाना का सीधा पैर कतई काम नहीं करता था। उनका हेडर भी सामान्य रहता था। उन्हें महान बनाता था बायां पैर। अगर गेंद उनके बायें पैर पर आ गयी, तो फिर उन्हें रोकना असंभव था। उनका गेंद पर नियंत्रण और विरोधी खिलाड़ी को छकाने की कला दुबारा देखने को नहीं मिलेगी। पेले के पास भी लाजवाब ड्रिबलिंग कला थी, पर माराडोना से वे उन्नीस माने जाएंगे। फ्री किक में भी माराडोना पेले से आगे जाते थे। उनका अपनी टीम पर गजब का प्रभाव था। हां, पासिंग और रफ्तार में दोनों का कोई सानी नहीं हुआ। पेले ने अपने करियर में 760 गोल किये, जिनमें से 541 लीग मैचों के थे। इस कारण वे सर्वकालीन सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी माने जाते हैं। कुल मिलाकर पेले ने 1363 खेलों में 1281 गोल किए। वैसे इन आंकड़ों को चुनौती भी मिलती है। इस मोर्चे पर माराडोना कमजोर नजर आते हैं। पेले खुद गोल करने के लालच में नहीं रहते थे। वे साथी खिलाड़ियों को गोल करने के बेहतर अवसर देते थे। माराडोना ने वर्ल्ड कप में 91 मैच खेलकर 34 गोल दागे, पर उनकी एक विशेषता यह थी कि वे बिग मैच प्लेयर थे। वे अहम मैचों में छा जाते थे। वे कमजोर टीमों के खिलाफ जौहर नहीं दिखा पाते थे। अगर मैदान से हटकर बात करें, तो पेले अर्जेंटीना के सुपर स्टार को पीछे छोड़ते हैं। फुटबॉल के बाद पेले सामाजिक कार्यों से जुड़ गये और ब्राजील में भ्रष्टाचार से लेकर गरीबी के खिलाफ लड़ते रहे। उन्हें 1992 में पर्यावरण के लिए संयुक्त राष्ट्र का राजदूत नियुक्त किया गया तथा 1995 में यूनेस्को का सद्भावना राजदूत बनाया गया। पेले ने ब्राजीली फुटबॉल में भ्रष्टाचार कम करने के लिए एक कानून प्रस्तावित किया, जिसे पेले कानून के नाम से जाना जाता है।

माराडोना ने किसी सामाजिक आंदोलन से अपने को नहीं जोड़ा। वे नशे के आदी रहे तथा 1986 वर्ल्ड कप में इंग्लैड के खिलाफ किये हैंड ऑफ गॉड गोल से उनकी प्रतिष्ठा धूमिल भी हुई। पर इससे उनके महानतम होने पर सवाल खड़ा करना गलत होगा। दोनों का बचपन अभावों में गुजरा। जहां माराडोना बड़बोले रहे हैं, वहीं पेले बेहद शांत और विनम्र। माराडोना और पेले के भारत में भी करोड़ों प्रशंसक हैं। दोनों भारत आ चुके हैं और दोनों भारत को प्रेम करते रहे। साल 2008 और 2017 में माराडोना भारत आये थे। साल 1975 में पेले भारत आये थे। यह भी जानना दिलचस्प है कि पेले, माराडोना, रोजर फेडरर, मोहम्मद अली, कपिल देव या इमरान खान कैसे बना जाता है। इसका उत्तर तलाश करने के लिए बहुत मशक्कत करने की जरूरत नहीं है। सभी खिलाड़ी मेहनत करते हैं। पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी सब महान नहीं कहलाये जाते। वे ही महान माने जाते हैं, जो बिग मैच प्लेयर होते थे। वे अहम मैचों में छा जाते थे। तब उनका जलवा देखते ही बनता था। बड़े खिलाड़ी का यही सबसे बड़ा गुण होता है कि वे खास मैचों या विपरीत हालातों में छा जाते हैं। ये फाइनल या अन्य खास मैचों के समय अपने हुनर दिखाते हैं।

सर्दियों में बढ़ रहा है जोड़ों का दर्द तो राहत दिलायेंगे ये उपाय

सर्दियों के मौसम में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिसमें से एक अर्थराइटिस के कारण होने का दर्द है। हालांकि सर्दियों के कारण अर्थराइटिस नहीं होता है लेकिन सर्दियों में अर्थराइटिस के कारण होने वाले दर्द में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हो जाती है। इस मामले में एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसे कई कारक हैं जो गठिया से पीड़ित लोगों के लिए सर्दी के मौसम को मुश्किल बनाते हैं। सर्दियों में अर्थराइटिस की समस्या से पीड़ित लोगों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिन्हें लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आसानी से दूर किया जा सकता है। सर्दियों में अर्थराइटिस की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप एक्टिव रहें, रेगुलर एक्सरसाइज करें, बॉडी का सही पोस्चर मेनटेन रखें और ज्यादा हैवी एक्सरसाइज करने से बचें।सर्दियों में अर्थराइटिस बढ़ने का एक कारण रक्त कोशिकाओं का सिकुड़ना हो सकता है। अर्थराइटिस की समस्या से छुटकारा पाना काफी ज्यादा मुश्किल होता है। इसके कारण लोगों को चलने और उठने-बैठने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। सर्दियों में तापमान ठंडा होने के कारण घुटनों में मौजूद श्लेष द्रव काफी ज्यादा गाढ़ा हो जाता है जिस कारण जोड़ों में दर्द, अकड़न का सामना करना पड़ता है। हड्डियों को मजबूत बनाने और ज्वाइंट्स के बेहतर कामकाज के लिए श्लेष द्रव की काफी जरूरत होती है। यह एक गाढ़ा तरल पदार्थ है, जो आपके जोड़ों को हिलने-डुलने में मदद करता है और उन्हें आपस में रगड़ने से रोकता है। आम भाषा में इसे ग्रीस भी कहा जाता है। अगर आपको भी अर्थराइटिस की समस्या है और आप सर्दियों में इस दर्द से राहत पाना चाहते हैं तो हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आपकी यह समस्या बहुत हद तक कम हो जाएगी।

इन बातों का रखें ख्याल

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोई भी एक्टिविटी करते समय अपने जोड़ों का खास ख्याल रखें और इन्हें मूव करते रहें। सही तरीके से बैठने, खड़े होने और चलने से आप आर्थराइटिस के दर्द को कम कर सकते हैं। इसके अलावा ये भी जरूरी है कि आप अपने वजन को बढ़ने ना दें। वजन बढ़ने से आपके शरीर का सारा भार घुटनों में आ जाता है जिससे दर्द की समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

स्मोकिंग छोड़ें

अगर आप अर्थराइटिस के दर्द से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जरूरी है कि स्मोकिंग ना करें। स्मोकिंग के कारण संयोजी ऊतकों के बीच में काफी ज्यादा तनाव बढ़ जाता है जिस कारण अर्थराइटिस का दर्द काफी ज्यादा बढ़ सकता है।

ज्वाइंट्स के बाहर की स्किन का रखें खास ख्याल

सर्दियों में अर्थराइटिस के दर्द से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्वाइंट्स के बाहर की स्किन का खास ख्याल रखें क्योंकि जब यह स्किन ड्राई होती है तो इससे जोड़ों में जलन का एहसास होता है। ऐसे मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें जिसमें विटामिन A और E हो। इससे दर्द से राहत मिल सकती है।

गर्म कपड़े पहनें

सर्दियों के मौसम में जरूरी है कि आप गर्म कपड़े पहने और अपने हाथ-पैरों और ज्वाइंट्स को कवर करके रखें ताकि उन्हें गर्माहट मिल सके।

एक्सरसाइज

सर्दियों में बहुत से लोग आलस के कारण एक्सरसाइज करना छोड़ देते हैं लेकिन अगर आप अर्थराइटिस के मरीज हैं तो जरूरी है कि आप सर्दियों में भी एक्सरसाइज करें। आप धूप में वॉक कर सकते हैं या जिम में एक्टिविटीज भी कर सकते हैं। इससे आपके शरीर की मेटाबॉलिक हीट बढ़ती है। साथ ही, ज्वॉइंट्स भी सही तरीके से काम करते हैं। इसके अलावा आप किसी स्पोर्ट्स एक्टिविटीज में भी शामिल हो सकते हैं ये आपके शरीर और दिमाग के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

हेल्दी चीजें खाएं

सर्दियों में अर्थराइटिस की समस्या से छुटकारा पाने के लिए जरूरी है कि आप हेल्दी चीजों जैसे फल, सब्जियों, मछली, नट्स और बीजों का सेवन करें। इसके अलावा रोजाना विटामिन डी सप्लीमेंट्स लेना भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

धूप में बैठें

सर्दियों के मौसम में जरूरी है कि आप एक घंटा धूप में जरूर बैठें ताकि आपकी हड्डियों को विटामिन डी मिल सकें। विटामिन डी हड्डियों को मजबूती देने में काफी मदद करता है।

बैलेंस डाइट लें

सर्दियों के मौसम में बैलेंस डाइट जरूर लें। इसके लिए विटामिन डी, विटामिन सी, ओमेगा 3 फैटी एसिड, अदरक, सोयाबीन, मछली, हरी सब्जियां, नट और बीज, भरपूर मात्रा में पानी और कोलेजनयुक्त चीजों को खाने में जरूर शामिल करें।

हंसना मना है

पत्रकार : 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति : बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं।

मन्नू अपने दोस्त को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

चाचा बतोले : बच्चों, लो लड्डू खाओ... आज स्वतन्त्रता दिवस है। टिंकू : नहीं चाचा जी, आज तो गणतंत्र दिवस है। चाचा बतोले : सो तो है बिटवा, पर आज ही के दिन हमरी सासू मां स्वर्ग सिधार गई थी तो हमरे लिए आज ही स्वतन्त्रता दिवस है।

राजू : सर मुझे कुछ याद नहीं रहता है। टीचर : अच्छा बताओ कि क्लास में तुम्हारी पिटाई कब हुई थी? राजू : सोमवार को। टीचर : यह कैसे याद रह गया? राजू : सर प्रैक्टिकल में नहीं, थ्योरी में प्रॉब्लम है।

टीटू ने गर्लफ्रेंड से पूछा : तुम चाइनीज जैसी क्यों दिखती हो? गर्लफ्रेंड : मेरे पापा चीन के थे। टीटू : तुमने कभी मिलवाया नहीं? गर्लफ्रेंड : वह अब इस दुनिया में नहीं हैं टीटू : हां, चाइनीज माल ज्यादा दिन तक टिकता भी कहां है...

लड़कों को उस समय सबसे ज्यादा गुस्सा आता है। जब ऑटो में 2 लड़कियों के बीच में लड़का बैठा हो तब तीसरी लड़की के आने से ऑटो वाला बोले भाई तू आगे आ जा।

कहानी | बुद्ध का आदेश

गौतम बुद्ध के जीवन की एक घटना है। उन्होंने नियम बना रखा था कि वे अपने संघ में स्त्रियों को स्थान नहीं देंगे। स्त्रियों के लिए भिक्षु होने की दीक्षा उन्होंने वर्जित कर रखी थी। एक समय गौतम बुद्ध एक गाँव में ठहरे हुए थे। वहाँ महाप्रजापति गौतमी उनके पास पहुंचीं। उन्होंने बुद्ध से कहा, आप स्त्रियों को भी दीक्षा दें। किंतु बुद्ध ने अस्वीकार से कर दिया। अनेक स्त्रियां इकट्ठी हुईं और उन्होंने विचार किया कि कैसे गौतमबुद्ध से स्वीकृति प्राप्त की जाए? स्त्रियों ने निर्णय लिया कि स्वयं सेविकाएँ बनकर गौतम बुद्ध के समक्ष पहुंचा जाए। गौतमी ने अपने बाल काटे, भिक्षु के वस्त्र पहने और अनेक स्त्रियों के साथ बुद्ध के सामने पहुंच गई। उनकी यह माँग थी कि स्त्रियों को भी दीक्षा दी जाए। बुद्ध ने उनकी बात को स्वीकार नहीं किया। स्त्रियां निराश हुईं। जब बुद्ध के एक शिष्य आनंद ने स्त्रियों को देखा, उनके पांव सूजे हुए थे। उन पर धूल चढ़ी हुई थी, उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। उन्होंने पूछा, क्या बात है? स्त्रियों ने कहा, बुद्ध उनके धर्म और नियम के अनुसार हमें भिक्षु होने की दीक्षा नहीं दे रहे हैं। जब आनंद ने व्यक्तिगत रूप से बुद्ध से निवेदन किया। बुद्ध को उन्होंने याद दिलाया, इस समय यह सामाजिक मान्यता है कि स्त्रियां मोक्ष की अधिकारी नहीं हैं, पुरुषों के मुकाबले निम्न हैं तो क्या आप भी यह मानते हैं और इसलिए उन्हें दीक्षित नहीं कर रहे हैं? बुद्ध का उत्तर था, मुझे गलत न समझा जाए। मेरी मान्यता है कि पुरुष की तरह ही स्त्री भी निर्वाण प्राप्त कर सकती है, लेकिन मैं कुछ व्यावहारिक कारणों से स्त्रियों को संघ में शामिल करने और दीक्षा देने की स्वीकृति प्रदान नहीं कर रहा हूं। आनंद का उत्तर था, सिद्धांत और व्यवहार में परिवर्तन करना चाहिए। बुद्ध को बात जंच गई और उन्होंने यह घोषणा की, जो स्त्रियां भिक्षु होना चाहेंगी, उन्हें कुछ नियमों का पालन करना होगा। स्त्रियों ने स्वीकार किया और तब से स्त्रियां भी बौद्ध बनने लगीं।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में वृद्धि कीजिए। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें।

वृषभ

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपके मन की इच्छा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नये कदम उठायेंगे। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेगी।

मिथुन

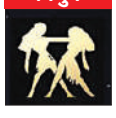

आज मिथुन राशि वालों के लिए आर्थिक समस्या उत्पन्न हो सकती है। आज का दिन आपको राजकीय सम्मान दिलवाएगा। कार्य में प्रगति होगी। पैतृक सम्पत्ति का लाभ होगा।

कर्क

आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाजे खोलेंगी। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है।

सिंह

आज आपका दिन सामान्य रहेगा । जिस काम को पूरा करना चाहेंगे, उसमें थोड़ी रुकावटें आ सकती हैं । किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं ।

कन्या

आज आपको अपने जीवन में बड़ी सफलताएं मिलने के योग नजर आ रहे हैं। खास तौर पर शुक्रवार को आपको लव लाइफ में अच्छी सफलता मिल सकती हैं।

तुला

घर पर काम करते समय खास सावधानी बरतें। घरेलू चीजों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अचानक आए खर्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कोशिश पूरी तरह से सफल होगी। दोस्तों के साथ खुशियाँ मनाएंगे। मानसिक रूप से आप मजबूत बने रहेंगे।

धनु

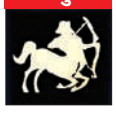

धनु राशि वाले अगर आज आप क्रोध पर संयम नहीं रखेंगे तो व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं। जीवनसाथी के कारण मानसिक तनाव बढ़ सकता है। व्यवहार में उतावलापन न दिखाएं।

मकर

ध्यान और आत्म-चिन्तन लाभदायक सिद्ध होगा। आपकी गैर-यथार्थवादी योजनाएँ आपके धन को कम कर सकती हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

कुम्भ

आज आपका रूझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम मेंशामिल होने की योजना बना सकते हैं। आपको आनंद की प्राप्ति होगी। खुद को फिट महसूस करेंगे।

मीन

आज सरकार-विरोधी प्रवृत्तियों के कारण परेशानी खड़ी न हो इस चीज का आपको ध्यान रखना होगा। खर्च की मात्रा बढ़ेगी। विवाह इच्छुक व्यक्तियों को जीवनसाथी मिलने का योग है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा पहला अभिनय बहुत ही खराब था : अनुपम खेर

रूकूली नाटकों में अपने अभिनय के दौर को याद करते हुए, प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने कहा है कि उनका पहला अभिनय कार्यकाल काफी खराब था, लेकिन उनके पिता ने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। खेर एक मास्टरक्लास में नवोदित अभिनेताओं का मार्गदर्शन कर रहे थे, जो उन्होंने गोवा में 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के दौरान परफॉर्मिंग फॉर स्क्रीन एंड थिएटर पर आयोजित किया था। उन्होंने कहा, अभिनेता पैदा नहीं होते हैं। स्कूल के नाटक में मेरा पहला अभिनय बहुत ही खराब था। लेकिन मेरे पिता ने शाम को मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए फूल दिए। अनुपम खेर ने अपने जीवन की कहानी सुनाई कि वह कैसे बने एक सफल अभिनेता। बता दें कि, अभिनेता का बचपन शिमला में बीता है जहां पर वह एक संयुक्त परिवार में रहते थे। अभिनेता अनुपम खेर ने नए कलाकारों और अभिनेताओं को लेकर कहा, जब तक गलतियां नहीं होतीं, तब तक कोई अभिनेता नहीं हो सकता। किसी को भी गलतियों के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिनय का प्रशिक्षण किसी अन्य क्षेत्र या पेशे की तरह ही महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण आपको आत्मविश्वास देता है, यह एक मोटर ड्राइविंग स्कूल की तरह है। यह डर को दूर करता है। उन्होंने कहा कि एक्टिंग का कोई सिलेबस नहीं होता। यह मानव स्वभाव के बारे में है। खेर ने एक अच्छे अभिनेता को परिभाषित करने का वर्णन करते हुए कहा, एक अभिनेता को भावनाओं से भरा होना चाहिए, जीवन से भरा होना चाहिए। एक अभिनेता के लिए तीन हथियार अवलोकन, कल्पना और भावनात्मक स्मृति हैं। अनुपम खेर ने कहा कि उन्हें कैसे याद किया जाना पसंद किया जाएगा, इस बारे में कहा कि एक शिक्षक के रूप में याद किया जाना सबसे बड़ी संतुष्टि है।

यूएई ने उर्फी जावेद पर लगाया प्रतिबंध

सोशल मीडिया पर उर्फी जावेद अक्सर अपने ड्रेस सेंस को लेकर चर्चा में रहती है। कई बार तो वह अपने विवादित बयानो को लेकर भी सोशल मीडिया पर ट्रोल हो जाती है। उनके लुक को लेकर कई सेलिब्रिटीज भी उन पर कमेंट करते रहते है। लेकिन इस बार वह अपने लुक और बयान को लेकर नहीं है बल्कि अपने खुद के द्वारा किए गए एक कारनामे को लेकर चर्चा में है। इसी वजह से उनको यूएई ने अपने देश में आने पर पाबंदी लगा दी है। उर्फी जावेद ने अपने सोशल मीडिया अकाऊंट पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने बताया कि अब कभी भी वह यूएई नहीं जा पाएगी, क्योंकि यूएई ने एक नई रुल बुक जारी की जिसके मुताबिक जिन भी लोगों के नाम में सरनेम शामिल नहीं है उनको यूएई ने प्रतिबंधित कर दिया है। उर्फी के पासपोर्ट पर बिना सरनेम के नाम लिखा है। उर्फी जावेद ने आगे लिखा कि .. तो मेरा ऑफिशियल नाम अब सिर्फ उर्फी है कोई सरनेम नहीं, मेरी लग गई। कुछ दिनों पूर्व ही उर्फी ने अपने नाम में परिवर्तन करवाया था। उर्फी ने अपने नाम में इग्लिंश का 'O' शब्द जुड़वाया था इससे उनका नाम ' URFI' से बदलकर ' UORFI' हो गया था। उर्फी ने यह परिवर्तन अपने सभी डोक्यूमेंट में करवाया था। इसी वजह से उनके पासपोर्ट में सिर्फ उर्फी लिखा है जावेद सरनेम शामिल नहीं है। इस बदलाव से वह अब यूएई की यात्रा नहीं कर पाएगीं।

जो भी लोग यूएई घूमने के लिए आते है उनको लेकर यूएई ने अपने एविएशन नियमों में कुछ बदलाव किए थे। जिसको लेकर 21 नवंबर को एअर इंडिया और एआई एक्सप्रेस ने सयुंक्त रुप से दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमे कहा गया था कि यूएई ने उन यात्रीओं को देश में प्रतिबंधित किया है, जिनके पासपोर्ट में नाम के साथ सरनेम नहीं लिखा है। यह नियम केवल उन लोगों के लिए है जो वीजा, वीजा ऑन अराइवल या टेम्परेरी वीजा लेकर आते है। इसी बदलाव से उर्फी जावेद परेशान है। बता दें इस वक्त उर्फी जावेद टीवी पर चलने वाले डेटिंग शो स्पिट्सविला में सुर्खियां बटोर रही है।

बॉलीवुड | मसाला

फ्रेडी को लेकर काफी उत्साहित हैं अलाया एफ

अलाया एफ, जो अपनी अगली फिल्म फ्रेडी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने इस बारे में बात की है कि जब अभिनय की बात आती है तो रचनात्मक खोज का कोई अंत नहीं है। अपने अनुभव के चलते अलाया एफ ने कहा, इस काम के बारे में मेरा पसंदीदा हिस्सा यह है कि आपको कई अलग-अलग शैलियों, इतने सारे अलग-अलग पात्रों और कई अलग-अलग प्रकार की कहानी कहने के साथ प्रयोग करने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा, मैंने अपनी पहली फिल्म के बाद से तीन फिल्मों की शूटिंग की है और हर एक दूसरे से बहुत अलग है, इसलिए मैं वास्तव में दर्शकों के लिए उत्साहित हूं कि मुझे वास्तव में प्रत्येक प्रोजेक्ट के साथ खुद को आगे बढ़ाते हुए देखें। उद्योग में मेरी यात्रा बहुत पारंपरिक नहीं रही है, तो मेरी फिल्म पारंपरिक क्यों होनी चाहिए? मैं लोगों को आश्चर्यचकित करना चाहती हूं, और मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं उन सभी अवसरों के साथ न्याय कर सकती हूं जो मुझे जवानी के बाद से मिले हैं।

कार्तिक आर्यन की बहुप्रतीक्षित फेडी एक शर्मीले, अकेले और सामाजिक रूप से अजीब व्यक्ति डॉ. फेडी गिनवाला की यात्रा के बारे में है, जो अपने लघु विमानों के साथ खेलना पसंद करता है और उसका एकमात्र दोस्त उसका पालतू कछुआ हार्डी है।डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने हाल ही में अपनी आगामी स्पाइन चिलिंग रोमांटिक थ्रिलर फेडी की घोषणा की।बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड, एनएच स्टूडियोज और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स द्वारा निर्मित, शशांक घोष द्वारा निर्देशित और कार्तिक आर्यन और अलाया एफ द्वारा अभिनीत, यह फिल्म 2 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

अजब-गजब | इस तरह दिया वारदात को अंजाम, पुलिस भी रह गई हैरान

बिहार में चोरों ने चुरा लिया ट्रेन का इंजन

आपने चोरी के कई किस्से सुने होंगे। चोर अक्सर घरों और दुकानों में सेंधमारी कर नगदी,जेवर और कीमती सामान चुरा लेते हैं। लेकिन बिहार की एक गैंग ने तो हद कर रखी है। यह गैंग रेल के इंजन और पुल चुरा रही है। रेल का इंजन चोरों ने जिस तरह से चुराया, उसको देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। दरअसल, चोरों ने रेल का इंजन चुराने के लिए बरौनी से बरौनी से मुजफ्फरपुर तक सुरंग ही खोद डाली। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि लुटेरों के गिरोह बिहार में डीजल और पुराने ट्रेन के इंजनों को उड़ाने और स्टील के पुलों को चुरा रहे हैं। इन चोरों की वजह से पुलिस की रातों की नींद उड़ी हुई है। दरअसल, पिछले हफ्ते बरौनी के गरहारा यार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए ट्रेन के पूरे डीजल इंजन को चोरों ने चुरा लिया।

सुरंग बनाकर रेल इंजन ले उड़े चोर

चोर रेल के इंजन के कल पुर्जों को बेच देते हैं। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुजफ्फरपुर की प्रभात कॉलोनी स्थित एक कबाड़ के गोदाम से इंजन के पुर्जों की 13 बोरियां बरामद कीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा अधिक हैरान करने वाली बात यह थी कि हमने यार्ड के पास एक सुरंग का पता लगाया, जिसके माध्यम से चोर आते थे और इंजन के पुर्जों को चुरा लेते थे और उन्हें बोरियों में भरकर ले जाते थे, रेलवे अधिकारी इसके बारे में जानते भी नहीं थे।

पूर्णिया में भी हुई थी रेल इंजन की चोरी

बता दें कि इससे पहले पुर्णिया में भी ठगो ने एक भाप वाले एक पूरे विंटेज इंजन को बेच दिया था। वह विंटेज इंजन सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रखा गया था। जब इस चोरी की वारदात की जांच की गई तो पता चला कि इस चोरी की घटना में एक इंजीनियर भी शामिल था। ऐसा ही एक और मामला बिहार के अररिया जिले में सामने आया था। यहां चोरों के गिरोह ने सीताधार नदी पर एक लोहे के पुल का ताला खोल दिया। इसके बाद तो पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने और उसकी सुरक्षा के लिए एक कांस्टेबल तैनात करना पड़ा था।

पुल के पुर्जे भी चुराए

फोर्ब्सगंज को अररिया से जोड़ने वाले पुल के कुछ अहम हिस्से और लोहे एंगल तक इस गिरोह के गुर्गों ने चोरी कर लिए। खुलासा तब हुआ जब पुल का एक बड़ा हिसास गायब हो गया। इसी साल अप्रैल में इस गैंग ने 500 टन के 45 साल पुराने स्टील पुल को तोड़ बेच दिया था। इस मामले में जल संसाधन विभाग के एक सहायक अभियंता समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने कबाड़ सामग्री बरामद की थी।

ऐसा गांव जहां हर किसी को करनी पड़ती है रोने की प्रैक्टिस

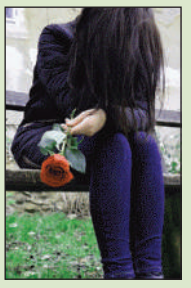

पूरी दुनिया में आज भी एक ऐसे देश हैं जहां तानाशाही का शासन चलता है। यहां न तो लोकतंत्र है और ना ही लोगों के कोई अधिकारी। इन देशों में लोगों को राजा या तानाशार के इशारों और इच्छाओं के मुताबिक, काम करना पड़ता है। इन्हीं में से एक देश है उत्तर कोरिया। जो हमेशा वहां के तानाशाह किम जोंग उन की वजह से चर्चा में रहता है। आज हम आपको उत्तर कोरिया के कुछ ऐसे रूल्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें जानकर यकीनन आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। उत्तर कोरिया में तमाम अजीबोगरीब रिवाजों में से एक ये भी रिवाज है कि यहां के शासक की मौत के बाद हर नागरिक को रोना पड़ता है। यही नहीं जो कम रोता है उसे शासक का परिवार कठोर दंड भी देता है। बता दें कि साल 2011 में किम जोंग उन अपने पिता किम जोंग इल की मौत के बाद उत्तर कोरिया का सर्वोच्च नेता बना था। उसका दादा किम-II सुंग उत्तर कोरिया के संस्थापक और पहला नेता था। जिनकी मौत साल 1994 में हुई थी। इसके बाद किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल ने सत्ता संभाली। कहते हैं कि उत्तर कोरिया के हर घर में किम जोंग के पिता और उनके दादा की तस्वीरें लगाना अनिवार्य है। बताया जाता है कि किम जोंग इल की मौत के बाद प्रजा को शोक सभा में खुलकर रोने का आदेश मिला। इस शोक सभा में लोग पूरे दम से चिल्ला-चिल्लाकर और छाती पीटकर रोए और जो ठीक से नहीं रो सका, वो अगले ही दिन गायब हो गया। इस बात की मीडिया में भी काफी चर्चा रही थी। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, शासक की मौत के बाद नए राजा किम जोंग उन ने पिता के लिए बहुत सी शोकसभाएं रखीं। इन शोकसभाओं में जनता को आकर रोकर ये साबित करना था कि वे पुराने राजा से प्यार करते थे। इन शोकसभाओं में रोना किम परिवार के लिए उनकी वफादारी का भी सबूत था। रिपोर्ट के मुताबिक, ये शोकसभाएं 10 दिनों तक चलीं, जिसमें युवा, बच्चे, बूढ़े, औरत-मर्द सबके लिए रोना अनिवार्य था। इतना ही नहीं इन शोकसभाओं के दौरान ये नोट किया गया कि कौन-कौन उतनी ठीक तरह से नहीं रो रहा था। इसे किम परिवार के प्रति वफादारी में कमी माना गया। 10 दिन की शोकसभा के बाद क्रिटिसिज्म सेशन हुआ, जिसमें किम खुद उपस्थित थे। इस सेशन में तय हुआ कि ठीक से नहीं रोने वालों को तुरंत 6 महीने की कड़ी कैद में रखा जाए। इसके बाद हजारों दोषियों को रातोंरात घर से उठा लिया गया। कम रोने की वजह से बहुतों का पूरा का पूरा परिवार ही महीनों लेबर कैंप में डाल दिया गया।

बेहतर दुनिया का निर्माण हमारी नैतिक जिम्मेदारी : राजनाथ सिंह

इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में रक्षामंत्री ने रखे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में इंडो-पैसेफिक रीजनल डायलॉग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम एक बेहतर दुनिया का निर्माण करें। यह दुनिया सभी के लिए सुरक्षित और न्यायपूर्ण हो। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय दार्शनिकों ने हमेशा मानव समुदाय को राजनीतिक सीमाओं से परे माना है।

उन्होंने कहा मेरा विश्वास है कि सुरक्षित दुनिया एक सामूहिक प्रयास बन जाती है तो हम एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था बनाने के बारे में सोच सकते हैं, जो सभी के लिए लाभदायक हो। राजनाथ ने आगे कहा, कई प्लेटफार्मों और एजेंसियों के माध्यम से वैश्विक समुदाय इस दिशा में काम कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर सुरक्षा सही अर्थों में सामूहिक

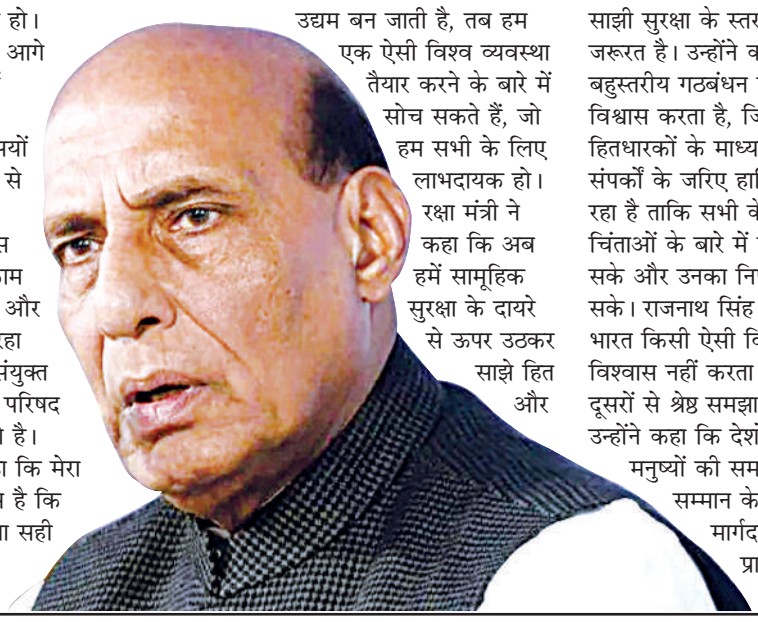

उद्यम बन जाती है, तब हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था तैयार करने के बारे में सोच सकते हैं, जो हम सभी के लिए लाभदायक हो। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब हमें सामूहिक सुरक्षा के दायरे से ऊपर उठकर साझे हित और साझी सुरक्षा के स्तर पर जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत बहुस्तरीय गठबंधन की नीति में विश्वास करता है, जिसे विभिन्न हितधारकों के माध्यम से विविध संपर्कों के जरिए हासिल किया जा रहा है ताकि सभी के विचारों एवं चिंताओं के बारे में चर्चा की जा सके और उनका निपटारा किया जा सके। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत किसी ऐसी विश्व व्यवस्था में विश्वास नहीं करता है जहां कुछ को दूसरों से श्रेष्ठ समझा जाता है। उन्होंने कहा कि देशों के कार्य मनुष्यों की समानता एवं सम्मान के सार तत्व से मार्गदर्शित हों जोकि प्राचीन मूल्यों का हिस्सा है।

बिहार में आईजी वैभव के घर से पिस्टल चोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव की 9 एमएम की लाइसेंसी पिस्टल उनके घर से चोरी हो गई है। इस खबर के सामने आते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पिस्टल चोरी के मामले में

घर की सफाई करने वाले होमगार्ड जवान के बेटे सूरज को पुलिस ने गिरफ्तार में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं इस मामले में पुलिस ने सूरज और पुनीत नाम के युवक पर एफआईआर दर्ज की है। आईजी विकास वैभव ने इस मामले में आवेदन दिया है।

बताया है कि पुलिस कॉलोनी स्थित उनके निजी आवास से पिस्टल चोरी हुई है। आईजी विकास वैभव के घर में सफाई करने के लिए होमगार्ड जवान वीरेंद्र राम ने अपने बेटे सूरज को भेजा था। आशंका जाहिर की गई है कि उसने ही पिस्टल चुराई है। इस मामले में गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है और पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि पिस्टल गुरुवार को चोरी हुई है। जब खोजने के बाद भी नहीं मिली तो आईजी विकास वैभव को सूरज पर शक हुआ। उन्होंने उससे पूछा तो वह ठीक से जवाब नहीं दे पाया। इस पर आईजी को होमगार्ड के बेटे पर शक हुआ। इसके बाद उन्होंने उसे पकड़ कर गर्दनीबाग थाने की पुलिस को सूचना दी है।

यूपी में बढ़ेगी ठंड, कई जगहों पर दिखेगा घना कोहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में बीते कुछ दिनों से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस वजह से ठंड भी बढ़ने लगी है। हालांकि कल राज्य में मौसम सामान्य रहने की संभावना व्यक्त की गई है। जबकि मौसम विभाग के अनुसार कई जगहों पर घना कोहरा छाया रहेगा।

वहीं कल के मुकाबले हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगी, इस वजह से तापमान में ज्यादा गिरावट होने की संभावना कम है। राजधानी लखनऊ में बीते कुछ दिनों से पारा में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि कल जिले में ठंड से हल्की राहत मिलेगी। लेकिन बीते दो दिनों के मुकाबले हवा धीमी रहने की संभावना है। वहीं जिले का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है।

उत्तराखंड के रहने वाले वोटर्स पर बीजेपी की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने शीर्ष नेताओं और स्टार प्रचारकों की फौज चुनावी मैदान में उतार दिया है। इसी कड़ी में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट एमसीडी चुनाव में उन उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करेंगे जो मूल रूप से उत्तराखंड से आते हैं।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी

पुष्कर सिंह धामी करेंगे दिल्ली में चुनाव प्रचार

और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट दिल्ली पहुंच चुके हैं। इसके अलावा उत्तराखंड बीजेपी से लगभग 40 से ज्यादा पार्टी पदाधिकारियों के दिल्ली एमसीडी चुनाव में प्रचार करने के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

नगर निगम चुनाव में 250 सीटों पर बीजेपी ने पहली बार 10 ऐसे उम्मीदवारों

को टिकट दिया है जो मूल रूप से उत्तराखंड से आते हैं। इनमें यमुना विहार से प्रमोद गुप्ता, संत नगर वार्ड से रेखा रावत, ब्रह्मपुरी वार्ड से कविता शर्मा, सादतपुर से नीता बिष्ट, तुकमीरपुर वार्ड से अनिल कुमार त्यागी सहित अन्य 5 प्रत्याशियों को बीजेपी ने टिकट दिया है। दिल्ली एमसीडी चुनाव 2022 में लगभग 13 से 14 लाख उन मतदाताओं की संख्या है जो मूल रूप से उत्तराखंड से आते हैं और सियासी समीकरण के अनुसार लगभग 30 से ज्यादा वार्ड पर इनके वोट का प्रभाव है।

कुछ नेता दिखते कांग्रेस में, गर्लफ्रेंड्स को बीजेपी में कराते हैं ज्वाइन : महारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करण महारा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस में बीजेपी के स्लीपर सेल घुस गए हैं जो हर स्तर पर कांग्रेस में रहकर ही पार्टी के पदाधिकारियों के खिलाफ आग उगलने और लिखने का काम करते हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने नेताओं को सावधान किया और कहा कि ऐसे लोगो से सतर्क रहें, वो बनते कांग्रेस के हैं, लेकिन काम बीजेपी का करते हैं। करन माहरा के अनुसार हरीश रावत अच्छा काम करें तो उनके खिलाफ से स्लिपिंग सेल एक्टिव हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता दिन में तो कांग्रेस कार्यालय में बैठते हैं और रात को बीजेपी के नेता के घर जाते हैं, दिखते कांग्रेस में हैं, लेकिन अपनी गर्लफ्रेंड्स को बीजेपी में ज्वाइन कराने का काम करते हैं।

भाजपा की प्राथमिकता सभी वर्गों के लोगों का विकास करना : नकवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं है। बल्कि यह विचारों की लड़ाई है। भाजपा की प्राथमिकता सभी वर्गों के लोगों का विकास करना, उनका विश्वास जीतना, उनकी समृद्धि और सम्मान के लिए काम करना थी और रहेगी। यही वजह है कि भाजपा की इन नीतियों से

प्रभावित होकर सभी वर्गों के लोग जुड़ रहे हैं।

नकवी शंकरपुर स्थित अपने आवास पर कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें शेर के फोटो पर तीर चला कर तीस मार खां नहीं बनना चाहिए। हमें समाज के अंदर एक ऐसी छवि बनानी चाहिए, जिससे समाज के सभी वर्ग विश्वास और सम्मान का एहसास कर सकें भारतीय जनता पार्टी समाज के सभी वर्गों के सम्मान सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है।

सीतापुर व हरदोई जिले के 36 गांव मिलाकर होगा नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काशी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और विंध्यवासिनी धाम की तर्ज पर सीतापुर के नैमिष धाम के पुनरोद्धार का रास्ता साफ हो गया है। 88,000 ऋषियों की पावन तपस्थली नैमिषारण्य अपनी पौराणिक महत्ता के अनुसार अब विकास की राह से जुडने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 'श्री नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद' के गठन का निर्णय हुआ।

नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास योजना के पीछे मुख्यमंत्री का उद्देश्य नैमिषारण्य क्षेत्र के विकास के लिये और पर्यटन तथा

ऐसा होगा 'नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद' का स्वरूप

श्री नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद एक निगमित निकाय होगी। जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे, जबकि मंत्री पर्यटन विभाग, उपाध्यक्ष होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा कार्यपालक उपाध्यक्ष की नियुक्ति भी की जाएगी। परिषद का एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी होगा, जो राज्य सरकार के विशेष सचिव की श्रेणी या वरिष्ठ अधिकारियों में से राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। नैमिषारण्य क्षेत्र के विरासत के संरक्षण का ज्ञान, अनुभव, अभिदर्शन तथा निमित्त कृत प्रयासों के ट्रैक अभिलेख वाले ऐसे पांच प्रख्यात व्यक्ति, जो राज्य सरकार के परामर्श से अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाएंगे।

संस्कृति विशेष रूप से धार्मिक क्रियाकलापों तथा अध्यात्मिक पर्यटन हेतु अवसंचनात्मक सुविधाओं का विकास करना है। गठित होने जा रही विकास परिषद का विस्तार सीतापुर/हरदोई के भीतर स्थित नैमिषारण्य क्षेत्र में होगा। नैमिषारण्य के अधीन क्षेत्र में सीतापुर के 36 ग्राम सम्मिलित हैं, जिसका क्षेत्रफल 8511.284 हेक्टेयर है और जिसमें ग्यारह गंतव्य स्थान सम्मिलित है। इसमें से सात गंतव्य स्थान जिला सीतापुर के अधीन आते हैं। यह कोरोना, जरीगवां, नैमिषारण्य, देवगंवा, मदरूवा, कोलूहता बरेठी और मिश्रीट हैं और चार अवस्थान जिला हरदोई के अधीन आते हैं, जो हरैया, नगवा कोठावां, गिरधरपुर, उमरारी और साक्षी गोपालपुर हैं। संपूर्ण परिपथ 209 मील अथवा 84 कोस का है।

भाजपा की गलत नीतियों से भ्रष्टाचार बढ़ा : अखिलेश

मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिंपल यादव ने जनता से मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद डिंपल यादव ने आज विकास खंड सैफई में पूरे दिन सघन जनसंपर्क कर सभी से साइकिल वाले बटन को दबाकर भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर डिम्पल यादव ने स्थानीय मतदाताओं को याद दिलाया कि सैफई में जो विकास हुआ है वह सब नेताजी और समाजवादी पार्टी की सरकार में हुआ है।

सैफई की जनता से नेताजी के परिवार का घनिष्ठ सम्बंध है। नेताजी आज नहीं रहे हैं लेकिन वे यहां घर-घर में हरेक के दिल में बसे हुए हैं। उनका समाधिस्थल भी यहां है। हमें उनकी याद को चिरस्थायी बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाना है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज थाना बरनाहल, घिरौर, और औछा क्षेत्र में सघन प्रचार किया। उन्होंने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जनसम्पर्क के दौरान मतदाताओं से अपील की कि समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिम्पल यादव को भारी मतों से विजयी बनायें। यादव ने कहा है कि नेताजी के यहां के स्थानीय लोगों से निकट सम्बंध थे। मैनपुरी के लोगों ने हमेशा नेताजी का साथ दिया है। मैनपुरी की जनता ने भी आश्वस्त किया कि वे डिंपल को ऐतिहासिक वोटों से जीत दिलाकर नेताजी को श्रद्धांजलि देंगे। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि योगी सरकार ने सश्रा में आते ही मैनपुरी के विकास को रोक दिया है। भाजपा की गलत नीतियों के चलते भ्रष्टाचार बढ़ा है। महंगाई, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। कानून व्यवस्था पटरी से उतर गयी है। युवा, किसान, व्यापारी सभी परेशान है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसान को बर्बाद कर दिया है।

आज किसान को खाद के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। उसे खाद नहीं मिल रही है। 22 महीने में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे तैयार हुआ। डॉ. सुनील यादव ने सभी जाति के लोगों से एक होकर डिम्पल यादव के लिए वोट की अपील की। अंत में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सम्भल लोकसभा के सांसद और बहजोई विधानसभा से तीन बार विधायक रहे श्री बृजेंद्र पाल सिंह यादव के निधन से समाजवादी पार्टी और परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है।

अखिलेश से कह दिया है, अब चाहे जो हो साथ रहेंगे : शिवपाल

» यादव परिवार में एकजुटता को लेकर किया बड़ा दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के मद्देनजर प्रसपा नेता शिवपाल सिंह यादव जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे और यहां उन्होंने यादव परिवार में एकजुटता को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि स्थिति आगे चाहे जैसी भी रहेगी अब वह साथ ही रहेंगे। बता दें कि डिंपल यादव को मैनपुरी सीट से सपा द्वारा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद शिवपाल ने उन्हें समर्थन देने का फैसला किया और वह सपा के स्टार प्रचारक भी हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान भतीजे अखिलेश यादव उनके पांव छूते हुए भी नजर आए थे। ऐसा माना जाने लगा है कि यादव परिवार में अब सबकुछ ठीक है और वहीं अब शिवपाल यादव का बयान भी इसकी तस्दीक कर रहा है। शिवपाल यादव ने कहा कि अब जब बहू लड़ रही है तो हम भी एक हो गए। सभी लोग कहते थे कि एक हो जाओ, अब हम लोग एक हो चुके हैं। हमने अखिलेश यादव से भी कह दिया है अब हम लोग एक ही रहेंगे। डिंपल ने कहा था अब एक ही साथ रहना है तो मैंने भी कह दिया कि गवाह तुम्हीं को रहना है। हमने डिंपल से कह दिया अगर अखिलेश गड़बड़ करें तो तुम्हें मेरे साथ ही रहना है। अब चाहे जो हो साथ ही रहेंगे।

यह चुनाव मेरी प्रतिष्ठा का सवाल : शिवपाल

प्रसपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि हम लोगों को एक-दो चुनाव ही लड़ना है और उसके बाद लड़के ही चुनाव लड़ेंगे। नेताजी के न रहने पर हमारी भी प्रतिष्ठा का सवाल है। शिवपाल ने जसवंत नगर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के पक्ष में वोट डालें। बता दें कि शिवपाल यादव सपा की टिकट से ही जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद से ही चाचा-भतीजे के संबंध तल्ख चल रहे थे और अखिलेश यादव ने एक चिट्ठी जारी कर शिवपाल को यह तक कह दिया था कि उन्हें जहां सम्मान मिलता है वह वहां जाने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन इस उपचुनाव से अब दोनों एक-दूसरे से गले-शिकवे दूर करते नजर आ रहे हैं।

पीओके के लिए नेहरू सरकार जिम्मेदार : वीके सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने माउंटबेटेन को खुश रखने के लिए 1948 के युद्ध में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को सुरक्षित नहीं किया। सिंह 26/11 के मुंबई आतंकी हमले से संबंधित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि आतंकियों द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ फोन नंबर पहले ही आईबी को दिए जा चुके थे। हमले पर भारत का जवाब बेहतर हो सकता था।

पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि देश के रक्षा बलों में पीओके पर फिर दावा करने की क्षमता है और आदेश मिलते ही वे इस काम को अंजाम देंगे। सिंह ने दावा किया कि हम 1948 में पीओके को बचा सकते थे, लेकिन उस समय सरकार ने कहा अब बहुत हो गया, हमारा माउंटबेटन नाराज हो जाएगा। फिर सरकार रुक गई। लॉर्ड माउंटबेटन तब स्वतंत्र भारत के गवर्नर जनरल थे। जनरल वीके सिंह ने आगे कहा कि अगर हमें आज मौका मिलता है, तो हमारी सेनाएं तैयार हैं। सैन्य दृष्टिकोण से इस पर चर्चा करने या इस पर जोर देने की कोई आवश्यकता नहीं है। मुझे लगता है, आप जो भी करना चाहते हैं, उसे अपने दिमाग में रखें। जब भी आपको आदेश मिले। इस पर चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। 26 नवंबर 2008 में पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में हमला किया था।

अगले महीने होंगे कांग्रेस कार्यसमिति के चुनाव

» कांग्रेस महाधिवेशन बजट सत्रावकाश के दौरान बुलाए जाने के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चुनाव पर अनुमोदन की औपचारिकता पूरी करने के लिए पार्टी का महाधिवेशन संसद के बजट सत्र के अवकाश के दौरान बुलाए जाने के पुख्ता संकेत हैं। पार्टी का यह सत्र इसलिए अहम है कि कांग्रेस कार्यसमिति के चुनाव भी इसी में होने हैं।

कार्यसमिति के चुनाव अगले महीने संभव है। बैठक की तारीखें और रूपरेखा

तय करने से लेकर संसद के शीत सत्र की रणनीति पर चर्चा के लिए चार दिसंबर को पार्टी की संचालन समिति की बैठक बुलाई गई है। मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष पद संभालने के बाद संचालन समिति की यह पहली बैठक होगी। खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस कार्यसमिति संचालन समिति के रूप में तब्दील हो गई है और इसमें पार्टी के सभी पदाधिकारी भी शामिल हैं। संसद सत्र शुरू होने से पहले गुजरात चुनाव होने हैं। तत्काल बाद सात से 29 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र चलेगा और फिर जनवरी के अंत में बजट सत्र भी तय है। बजट सत्र का पहला चरण 15 फरवरी तक चलेगा और फिर करीब एक महीने का सत्रावकाश होगा। कांग्रेस के अनुसार ऐसे में महाधिवेशन बुलाने की गुंजाइश बजट सत्रावकाश के दौरान ही है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव मार्च-अप्रैल में होने हैं जो कांग्रेस के लिए बेहद अहम हैं।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

गुजरात में 2017 के चुनाव में 30 सीटों पर नोटा ने बिगाड़ा था खेल

» नोटा ने राज्य की 182 सीटों पर बिगाड़े थे समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में चुनाव प्रचार अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है। पहले चरण के मतदान के लिए अब महज चार दिन रह गए हैं। एक दिसंबर को पहले चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। इस चुनाव में भी मतदाता के पास नोटा का इस्तेमाल करने का विकल्प होगा।

2017 की बात करें तो उस चुनाव में नोटा ने राज्य की 182 सीटों में से 30 सीटों पर जीत हार का गणित बिगाड़ दिया था। पिछले चुनाव में 30 विधानसभा सीटों ऐसी थीं, जिनमें जीत-हार का अंतर नोटा को मिले वोटों से कम था। इसमें से 16 सीटों पर भाजपा, 12 सीटों पर कांग्रेस और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत मिली थी। सात सीटें ऐसी थीं जहां जीत-हार का अंतर एक हजार से भी कम रहा था। इन सभी सीटों पर नोटा पर पड़े वोट हजार से ज्यादा थे। तीन सीटों पर पर तो तीन हजार से ज्याद लोगों ने नोटा पर वोट डाला था। नौ सीटों पर जीत-हार का अंतर एक हजार से दो हजार के बीच था। इनमें से आठ सीटों पर जीत-हार का अंतर नोटा पर पड़े वोट से कम था। वहीं, 11 सीटें ऐसी थीं जहां जीत-हार का अंतर दो से तीन हजार के बीच था। इन सभी सीटों पर नोटा पर पड़े वोट जीत हार के अंतर से ज्यादा थे। वहीं, छह सीटों जीत हार का अंतर तीन से चार हजार के बीच था। इनमें से तीन सीटों पर जीत-हार का अंतर उन सीटों पर नोटा पर पड़े वोट से कम था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।